हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
गुरुवार, 29 नवम्बर 2012, बरेली, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर
www.livehindustan.com

'नया जानने की ललक हो छात्रों में'

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

इंस्पायर इंटर्नशिप

- राममूर्ति इंजीनियरिंग कॉलेज में पांच दिनी आयोजन का दूसरा दिन
- प्रयोगशालाओं में विद्यार्थियों से विभिन्न प्रयोग भी करवाए गए

श्री राममूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में चल रहे पांच दिनी इंस्पायर इंटर्नशिप- 2012 के दूसरे दिन बुधवार को छात्रों को सफलता के टिप्स दिए गए। छात्रों से लैब में प्रयोग भी कराए गए।

मौके पर नेशनल एकेडमी एंड काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी उत्तर प्रदेश के सदस्य प्रो. लक्ष्मीकांत शर्मा ने कहा कि सफलता के लिए इमेजिनेशन, क्रिएशन, ज्ञान, स्किल्स एवं एक्शन बहुत जरूरी है। उन्होंने छात्रों को हमेशा कुछ नया जानने की ललक पैदा करने की भी सीख दी। डॉ. शर्मा ने बताया कि वर्ष 2012 को महान गणितज्ञ डॉ. श्रीनिवास रामानुजम की 125वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने राष्ट्रीय गणित वर्ष घोषित किया है।

डॉ. शर्मा ने डॉ. रामानुजम की गणित के क्षेत्र में उपलब्धियों को प्रस्तुति एवं वीडियो से प्रदर्शित किया। उन्होंने अंधविश्वास की अवधारणा को विज्ञान के प्रयोगों से गलत सिद्ध किया। उन्होंने छात्रों से सरल प्रश्न पूछे और शंकाओं को दूर किया। उन्होंने नमक में आयोडीन का प्रयोग करने एवं पानी में विषाणु को मापने की किट भी दिखाई। बाद में टरबाइन, पीएच मीटर, मल्टीमीटर, स्प्रींगवेलेंस आदि दिखाकर छात्रों से प्रयोग करवाए। इसके लिए छात्रों को भौतिकी, रसायन, कंप्यूटर और जीव विज्ञान की प्रयोगशालाओं में ले जाया गया। बाद में डिपार्टमेंट ऑफ जियोलॉजी सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज से आए प्रो. जीवी आर प्रसाद ने साइंस ऑफ फ्यूल विषय पर कहाकि पृथ्वी का ज्ञान रहने के साथ जीव-जन्तुओं की प्रजातियों की जानकारियां रखना जरूरी है। मौके पर डीन डॉ. प्रभाकर गुप्ता, इंजीनियर रतीश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डॉ. एम मुस्तकीम, डॉ. रितु सिंह, डॉ. केके तिवारी मौजूद रहे। संचालन साक्षी पांडे ने किया।